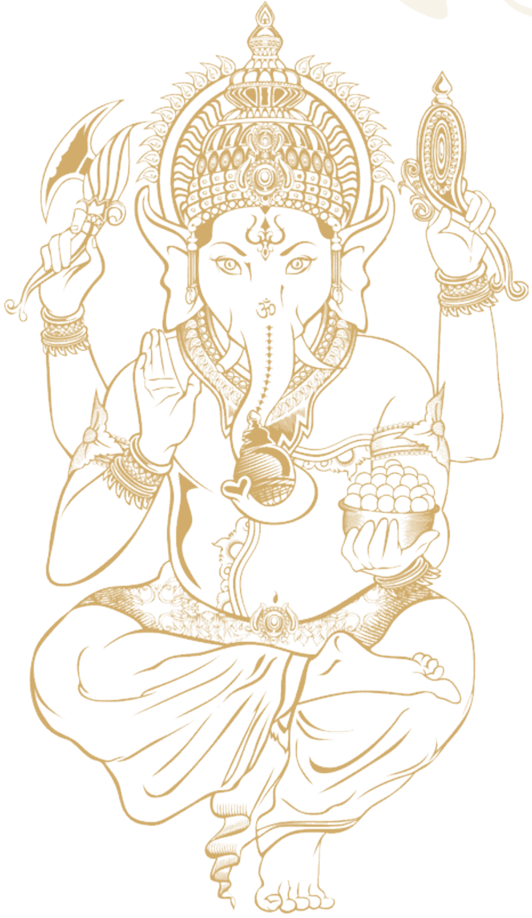

Timmanna

08 Jun 2003

04:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121377903

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **08/06/2003**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **16:00:00 घंटे**
इष्ट	: 26:32:45 घटी
स्थान	: **Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:38:52 घंटे
वेलान्तर	: 00:01:05 घंटे
साम्पातिक काल	: 08:44:28 घंटे
सूर्योदय	: 05:22:54 घंटे
सूर्यास्त	: 19:17:24 घंटे
दिनमान	: 13:54:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 23:20:19 वृष
लग्न के अंश	: 11:59:37 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	: **कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: सिद्धि
करण	: बालव
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: मानव
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:59:37	310:14:32	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			वृष	23:20:19	00:57:23	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	00:51:35	13:54:39	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	02:12:43	00:28:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
बुध			मेष	29:51:38	01:13:52	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			कर्क	20:02:03	00:09:42	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			वृष	04:01:07	01:13:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि		अ	मिथु	06:39:21	00:07:40	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
राहु			वृष	05:27:01	00:00:34	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:27:01	00:00:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:55:09	00:00:03	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:08:25	00:00:44	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:44:28	00:01:36	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कर्क	14:47:06	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:03

लग्न-चलित

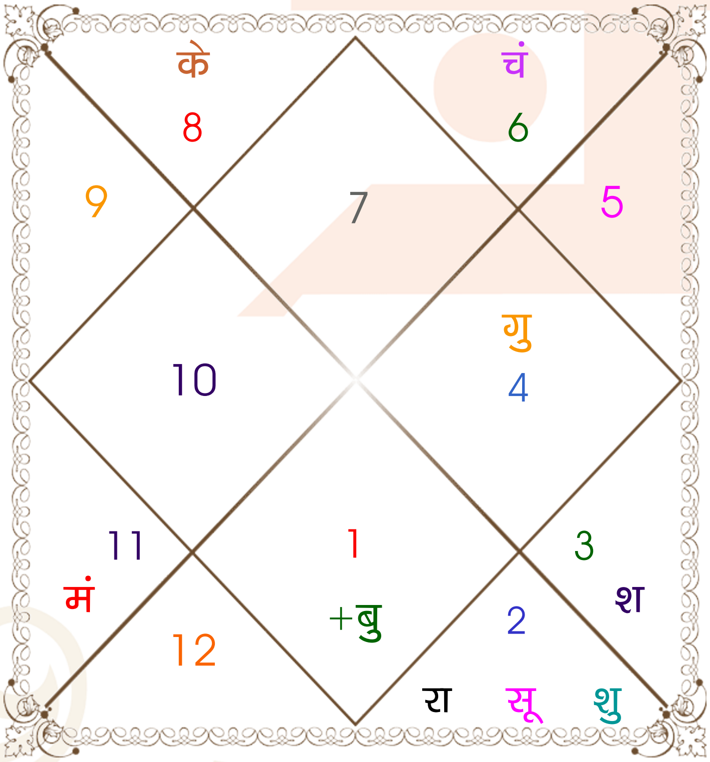

चन्द्र कुंडली

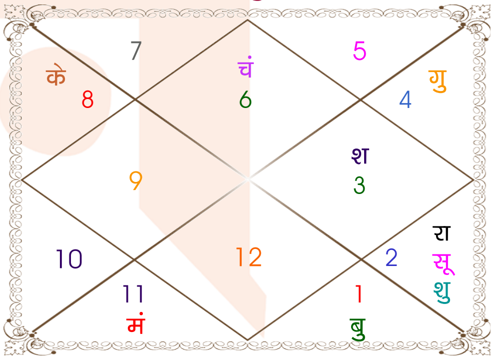

नवमांश कुंडली

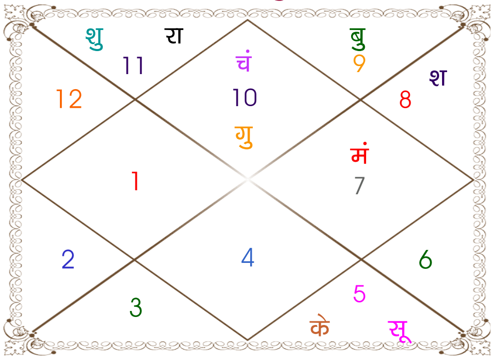

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 1 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/06/2003		19/07/2007		19/07/2017		19/07/2024		19/07/2042	
19/07/2007		19/07/2017		19/07/2024		19/07/2042		19/07/2058	
	00/00/0000	चंद्र	19/05/2008	मंगल	15/12/2017	राहु	01/04/2027	गुरु	05/09/2044
	00/00/0000	मंगल	18/12/2008	राहु	03/01/2019	गुरु	25/08/2029	शनि	20/03/2047
	08/06/2003	राहु	19/06/2010	गुरु	10/12/2019	शनि	30/06/2032	बुध	25/06/2049
राहु	07/08/2003	गुरु	19/10/2011	शनि	17/01/2021	बुध	18/01/2035	केतु	01/06/2050
गुरु	25/05/2004	शनि	19/05/2013	बुध	15/01/2022	केतु	05/02/2036	शुक्र	30/01/2053
शनि	07/05/2005	बुध	19/10/2014	केतु	13/06/2022	शुक्र	05/02/2039	सूर्य	18/11/2053
बुध	13/03/2006	केतु	20/05/2015	शुक्र	13/08/2023	सूर्य	31/12/2039	चंद्र	20/03/2055
केतु	19/07/2006	शुक्र	17/01/2017	सूर्य	19/12/2023	चंद्र	01/07/2041	मंगल	24/02/2056
शुक्र	19/07/2007	सूर्य	19/07/2017	चंद्र	19/07/2024	मंगल	19/07/2042	राहु	19/07/2058

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/07/2058		19/07/2077		19/07/2094		20/07/2101		20/07/2121	
19/07/2077		19/07/2094		20/07/2101		20/07/2121		00/00/0000	
शनि	22/07/2061	बुध	16/12/2079	केतु	15/12/2094	शुक्र	18/11/2104	सूर्य	07/11/2121
बुध	31/03/2064	केतु	12/12/2080	शुक्र	14/02/2096	सूर्य	19/11/2105	चंद्र	08/05/2122
केतु	10/05/2065	शुक्र	13/10/2083	सूर्य	21/06/2096	चंद्र	20/07/2107	मंगल	13/09/2122
शुक्र	10/07/2068	सूर्य	18/08/2084	चंद्र	20/01/2097	मंगल	19/09/2108	राहु	09/06/2123
सूर्य	22/06/2069	चंद्र	18/01/2086	मंगल	19/06/2097	राहु	19/09/2111		00/00/0000
चंद्र	21/01/2071	मंगल	15/01/2087	राहु	07/07/2098	गुरु	20/05/2114		00/00/0000
मंगल	01/03/2072	राहु	03/08/2089	गुरु	13/06/2099	शनि	20/07/2117		00/00/0000
राहु	06/01/2075	गुरु	09/11/2091	शनि	23/07/2100	बुध	20/05/2120		00/00/0000
गुरु	19/07/2077	शनि	19/07/2094	बुध	20/07/2101	केतु	20/07/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।